उदयपुर में शीतलहर ने कड़ाके की सर्दी का अहसास कराया, तापमान सात डिग्री दर्ज

तापमान में गिरावट के साथ ही शुक्रवार की रात इस सीजन की ठंडी रात रिकॉर्ड की गई

उदयपुर, (निस)। लेकसिटी में सर्दी शुरू हुए दो माह बीतने को आ गए, लेकिन हर साल जिस तरह सर्दी अपने जमाव बिंदु तक पहुंचने लगती है, वैसा अब तक देखने को नहीं मिला। लेकिन मौसम विभाग के प्रदेश में शीत लहर की संभावना के बीच उदयपुर में भी दो दिनों से ठंडी हवाएं चल रही है और शीतलहर ने कड़ाके की सर्दी का असर दिखा दिया है। वहीं तापमान में भी गिरावट के साथ ही शुक्रवार की रात इस सीजन की ठंडी रात रिकॉर्ड की गई। इस बार न्यूनतम तापमान अब तक आठ डिग्री से नीचे नहीं गया। वहीं दिन का तापमान भी कई बार 30 डिग्री के करीब पहुंच जाने से सर्दी में स्थिरता बनी हुई थी लेकिन बीते चार दिनों में दिन व रात के तापमान में कमी हो रही है।

बुधवार को तापमान 11.6 डिग्री पर था जो तीन दिनों में साढ़े चार डिग्री कम होकर 7 डिग्री पर जा पहुंचा। वहीं शुक्रवार को यह तापमान क्रमशः 9.1 डिग्री था, जिसमें आज दो डिग्री की कमी हुई है। वहीं दिन का तापमान भी घटकर 23.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। सर्दी का यह रूप नए साल के शुरूआत तक बना रहेगा। शीतलहर के थमने के साथ ही तापमान में बढ़ोतरी होगी। दिसम्बर माह में दिन का तापमान अधिक रहा और यह 25 से 30 डिग्री के बीच घूमता रहा लेकिन शीतलहर कई बार रात को चली, लेकिन करीब दो-तीन घंटों में भी ही इसका असर कम होने से अब तक न्यूनतम और जमाव बिंदु की ओर तापमान नहीं पहुंचा। हालांकि दिसम्बर माह के अंत में हर साल तापमान 5 डिग्री से नीचे पहुंच जाता है, लेकिन अब भी यह सात डिग्री बना हुआ है।

डूंगरपुर में सर्द हवाओं के बीच शहर में लोग अलाव तापते नजर आये।

सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ाई

डूंगरपुर, (निसं)। जिलेभर में दिसम्बर माह के अन्तिम चरण में शनिवार प्रातः सही सर्द हवाओं ने अपना रूप दिखाना प्रारंभ कर दिया, जिसके चलते आमजन को जो अभी तक सर्दी के मौसम को लेकर असमंजस्य की स्थिति में था, उसको आज पूरा विराम देते हुए सर्द हवाओं के रूप में अपना जलवा दिखाया तो लोगों ने ऊनी वस्त्रों को पहनने की जुगत की।

जहां अलसुबह मौसम में आई नमी व सर्द हवाओं ने सामान्य जन जीवन को पूरी तरह रोक कर रख दिया और आलम यह रहा है कि आमजन को समय का एहसास ही नहीं हो रहा था, और इसी के चलते के आठ बजे बाद मौसम में बदलाव के बाद सूर्यदेव के दर्शन हुए और फिर दिनभर सूर्यदेव एवं बादलों के बीच लूकाछिपी का खेल चलता रहा। जिससे सर्द हवाओं ने आमजन को घरों में कैद करके रख दिया। मौसम में बदलाव का पूर्वांचल राज्यों में लगातार बर्फबारी का परिणाम अब तटीय व मैदानी क्षेत्रों में भी देखने को मिल रहा है। शनिवार को अलसुबह से ही सूर्य के दर्शन नहीं हुए तो वहीं सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी। शहर की सड़कों पर वाहनधारियों से लेकर राहगीर ठंड से बचाव के लिए ऊनी वस्त्रों का साथ ही कम्बल ओडे देखे गए। तो वहीं शहर की पहाड़ियां धुंध से अटी हुई दिखने के कारण अदृश्य ही रही। वहीं अल सुबह दफ्तर जाने के लिए निकलने वाले लोग भी सर्दी से बचने के लिए जतन करते हुए नजर आए। लोगों ने अपने खानपान का जायका भी बदला और घरों व दफ्तरों में सर्दियों के लड्डू व चाय की चुस्कियां लेते दिखे। गांवों से आने वाले लोगों को ऊनी वस्त्रों की स्टॉल पर खरीददारी करते भी देखा गया।

चोरों ने ज्वैलरी दुकान व मकान से लाखों का माल पार किया

मनोहरपुर, (निसं)। थाना क्षेत्र के खोरा लाडखानी गांव में शुक्रवार रात्रि चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए एक ज्वैलरी की दुकान और एक मकान के पीछे की दीवार तोड़कर लाखों रुपये का माल पार कर लिया। चोरी की घटना से पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

- **चोरों ने दुकान के पीछे की दीवार व मकान की जाली तोड़कर वारदात की**

खोरा लाडखानी गांव निवासी जगदीश प्रजापत की ज्वैलरी की दुकान को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया। दुकान मालिक शुक्रवार शाम को रोजाना की तरह दुकान बंद कर घर चला गया था। रात के अंधेरे में चोरों ने दुकान के पीछे की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश किया और दुकान में रखा लाखों रुपये का जेवरात व कीमती सामान चोरी कर फरार हो गए। इसी रात चोरों ने गांव निवासी सुरेंद्र जांगिड़ के मकान को भी निशाना बनाया। चोरों ने मकान के पीछे की दीवार में लगे जंगले को तोड़कर अंदर घुसकर नगदी व जेवरात चोरी कर लिए। सुबह जब मकान मालिक जागा तो घर के अंदर सामान बिखरा देख उसके होश उड़ गए।

चोरी की वारादात के बाद दुकान में सामान बिखरा पड़ा है।

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह एवं हेड कांस्टेबल रमेश पोया मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर मौका रिपोर्ट तैयार की। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित जगदीश प्रजापत और सुरेंद्र जांगिड़ ने थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज करवाया है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही चोरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में आक्रोश है। लोगों ने रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सीएम भजनलाल शर्मा ने रामदास महाराज को श्रद्धांजलि दी

सेवर स्थित लुधावई बड़ा हनुमान मंदिर के महंत राम दास महाराज को सीएम भजन लाल ने श्रद्धांजलि दी।

भरतपुर, (निसं)। सेवर स्थित लुधावई बड़ा हनुमान मंदिर के महंत राम दास महाराज के देवलोकगमन पर सीएम भजन लाल शर्मा ने उन्हे श्रद्धांजलि दी। सीएम भजनलाल शर्मा अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बड़ा हनुमान मंदिर पहुंचे और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया में भाग लिया। सीएम भजनलाल शर्मा महंत राम दास महाराज को अपना गुरु मानते थे, वे हर गुरु पूर्णिमा को उनकी पूजा करते थे और परिवार के साथ आशीर्वाद लेते थे। मुख्यमंत्री शर्मा श्रद्धांजलि देने के बाद जयपुर रवाना हो गए। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। महंत रामदास महाराज के देवलोकगमन से भरतपुर के लोगों में शोक की लहर है। उनके अनुयायी और प्रशंसक उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए मंदिर पहुंचे। लुधावई मन्दिर के महंत का सम्पूर्ण जीवन भक्ति, त्याग, करुणा और सनातन धर्म के मूल्यों की सेवा में समर्पित रहा। वे केवल एक संत ही नहीं, बल्कि असंख्य श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक पथ प्रदर्शक और प्रेरणास्त्रोत थे। उनके सानिध्य से मिली शिक्षा और आशीर्वाद सदैव स्मृतियों में जीवित रहेंगे।

अरावली पहले से संरक्षित और आरक्षित : बैरवा

टोंक, (निसं)। बैरवा समाज के 20वें प्रतिभा सम्मान समारोह में शनिवार को पंहुचे मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने अरावली मुद्दे पर कहा कि अरावली राष्ट्रीय धरोहर है। हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि अरावली पहले से ही संरक्षित है, पहले से ही आरक्षित है। अरावली पर अब भी कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। अब इसका कोई राजनीतिक अड़ंगा बनाते हैं, तो यह ठीक नहीं है। अरावली के संरक्षण को लेकर हम सब साथ हैं।

डिप्टी सीएम बैरवा ने चौमूं में हुए उपद्रव को लेकर कहा कि हमारे मुख्यमंत्री ने पहले से ही कानून व्यवस्था को सख्त किया है, कानून अपना काम कर रहा है। इस तरह के उपद्रव आगे नहीं हो, इसको लेकर के कानून अपना काम कर रहा है। चौमूं में जो भी है वह सब निगरानी में है। कानून अपना काम कर रहा है, प्रशासन मुख्यमंत्री के निर्देशन में अपना काम कर रहा है, प्रदेश में जो भी काम होता है वह पारदर्शी तरीके से होता है। भाजपा पारदर्शी तरीके से और एक विजन लेकर काम करती है इसलिए अगर जो सोच और जो विजन है जो विकास का जो हमारा विकसित भारत का जो सपना है, उसे विकसित भारत के सपने के लिए हमें जो भी प्रयास करने हैं, जो भी विकास की दृष्टि से राजस्थान प्रदेश को मुख्यधारा में मिलकर काम कर रहे हैं।

बैरवा प्रतिमा सम्मान समारोह में जिले के पूर्व कलैक्टर ओपी बैरवा, पूर्व राज्य सभा सांसद हरिनारायण बैरवा, निवाई के पूर्व विधायक कमल लोदी, बैरवा कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष शिवराज बैरवा आदि के अलावा कार्यक्रम में पहुंची प्रतिभाएं व परिजन मौजूद रहे।

814वां उर्स : कुल की रस्म के साथ जन्नती दरवाजा बंद हुआ

अजमेर, (कासं)। सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 814वें सालाना उर्स का समापन कुल की रस्म के साथ पूरी अकीदत, अदब और रूहानियत के माहौल में हुआ। दोपहर ठीक एक बजे ऐतिहासिक महफिलखाने में कुल की रस्म अदा की गई, जिसके बाद परंपरा अनुसार जन्नती दरवाजा बंद कर दिया गया। दरगाह शरीफ के महफिलखाने में आयोजित कुल की रस्म की सदारत दरगाह दीवान के प्रतिनिधि के रूप में उनके पुत्र नसीरुद्दीन चिश्ती ने की। इस अवसर पर कुरआन ख्वानी, फातिहा और सलाम पेश किए गए। देश-विदेश से पहुंचे जायरीन, खादिमों और अकीदतमंदों ने अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली की दुआएं मांगी।

- **उर्स की परंपरा के अनुसार बड़े कुल की रस्म मंगलवार को अदा की जाएगी**

मलंगों ने अदा की दंगोल की रस्म :- कुल की रस्म के पश्चात महफिलखाने में मलंगों और कलंदरों द्वारा परंपरागत दंगोल की रस्म अदा की गई। इस रस्म की सदारत मलंगों के सरगिरोह सैयद मंसूर अली ने की। देशभर से आए मलंगों ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर सूफियाना मस्ती में हैरतअंगेज़ करतब पेश किए, जिन्हें देखकर मौजूद जायरीन भावविभोर हो उठे। दंगोल की रस्म को उर्स की एक विशिष्ट और ऐतिहासिक परंपरा माना जाता है, जिसमें सूफी रंग, भक्ति और अद्भुत साहस का अनूठा संगम देखने को मिलता है। देर तक महफिलखाने का माहौल रूहानियत और सूफियाना रंग में डूबा रहा। उर्स की परंपरा के अनुसार बड़े कुल की रस्म मंगलवार को अदा की जाएगी। इसके साथ ही ख्वाजा साहब का 814वां सालाना उर्स पूरी श्रद्धा, परंपरा और अदब के साथ विधिवत संपन्न होगा। उर्स के दौरान जिला प्रशासन, दरगाह कमेटी, खादिमों और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से व्यवस्थाएं सुचारू रही। जायरीन ने दरगाह में हाजिरी लगाकर देश में अमन-ओ-अमान और आपसी भाईचारे की दुआ की।

भीलवाड़ा में पारा 6.5 डिग्री दर्ज

भीलवाड़ा, (निसं)। ठंड अब सब जगह असर दिखाने लगी है। जहां रात का तापमान गिरकर 6.5 डिग्री आ गया, तो वहीं दिन में भी ठंडी हवाओं ने पारे को 23 डिग्री सेल्सियस पर ला दिया है। इसका ही नतीजा है कि सुबह खुशनुमा होने लगी है। इस बढ़ते कोहरे ने गुरला की पहाड़ी और तालाब को अलग ही तस्वीर में उभार दिया है। नेशनल हाईवे 758 स्थित गुरला में शनिवार सुबह बर्फीली हवाओं ने फीजा में ठंडक घोल रखी है। दिन में कंपकंपी छूट रही। सुबह शाम शीतलहर ठिठुरा रही है। कोहरा इतना है कि सड़कों पर कुछ दूरी तक कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। शनिवार को सुबह देर तक कोहरा छाया रहा चालकों को वाहन की लाइट चलानी पड़ी। कोहरे ने भीलवाड़ा-राजसमंद-उदयपुर फोरलेन गुरला स्थित रणजीत सागर तालाब को ढक दिया। सुबह नौ बजे तक कोहरा छाया रहा। लोग घरों से कम ही बाहर निकले। अरावली पहाड़ी की तलहटी स्थित कालका माता मंदिर कोहरे की चादर में लिपटा रहा। इसी प्रकार से ठंड का प्रकोप गावों में रहा।

16 क्विंटल जब्तशुदा डोडा-पोस्त एवं स्मैक नष्ट कराई

ब्यावर, (निसं)। 16 क्विंटल डोडा-पोस्त एवं 17 ग्राम स्मैक को जलाकर नष्ट किया गया। 8 पुलिस थानों के 21 मुकदमों में जब्त एनडीपीएस का माल नष्ट किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह ने बताया कि राष्ट्रव्यापी अवैध मादक पदार्थ निस्तारण पखवाड़े के तहत जिले के थानों पर एनडीपीएस के प्रकरणों में जब्त अवैध मादक पदार्थों के नष्टीकरण करने हेतु पुलिस मुख्यालय से निर्देश प्राप्त हुऐ थे। जिस पर जिले के समस्त थानाधिकारी प्रकरणों में जब्त मादक पदार्थों को श्रीसीमेंट फैक्ट्री लेकर पहुंचे। गठित समिति की उपस्थिति में नष्टीकरण के तहत थानों पर जब्त अवैध मादक पदार्थों को नष्ट किया गया। प्रक्रिया में करीब 16 क्विंटल डोडा पोस्त एवं 17 ग्राम स्मैक को जलाकर नष्ट किया, संपूर्ण कार्यवाही की विडीयोग्राफी व फोटोग्राफी करवाई गई।

डूंगरपुर के विराट गांव में बिजली कटौती से किसान व ग्रामीण परेशान

डूंगरपुर, (निसं)। जिले की ओबरी तहसील के ग्राम पंचायत विराट में स्थित जीएसएस सब सेंटर पर लगातार हो रही बिजली कटौती से किसान और ग्रामीण आक्रोशित हैं। उन्होंने विरोध-प्रदर्शन करते हुए दो दिन में समस्या समाधान का अल्टीमेटम दिया है।

किसानों और ग्रामीणों ने जीएसएस सब सेंटर से होने वाली अनियमित विद्युत आपूर्ति को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने 32 केवी लाइन को दाहेला से हटाकर सागवाड़ा से जोडने की मांग उठाई। किसानों का कहना है कि खेतों में सिंचाई के लिए समय पर बिजली नहीं मिल पा रही है, जिससे फसलें सूखने की कगार पर पहुंच गई है। सरकार ने कृषि कार्य के लिए 6 घंटे बिजली देने की घोषणा की है, लेकिन हकीकत में उन्हें 2 घंटे भी बिजली नहीं मिल पा रही, जिससे भारी नुकसान हो रहा है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि निर्धारित समय सीमा में उनकी समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे सड़क जाम आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस विरोध प्रदर्शन में सरपंच इंदिरा कलासुआ, डूंगर पाटीदार, गोकुल पाटीदार, सामाजिक कार्यकर्ता कमलेश कलासुआ, लालजी पाटीदार, रमेश पाटीदार, सतीश पाटीदार, बदामी पाटीदार, नाथु रोत, सरदार रोत, मुकेश कलासुआ, पंकज कलासुआ, महिपाल रोत, कालूराम पाटीदार, जयंतीलाल पाटीदार, निलेश पाटीदार, गोविंद पाटीदार, बंशीलाल पाटीदार, कांतिलाल डोडियार और अमृतलाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

- **32 केवी लाइन को दाहेला से हटाकर सागवाड़ा से जोडने की मांग उठाई**

सड़क हादसे में घायल स्कूटी सवार युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में एक सड़क हादसे में घायल हुए स्कूटी सवार युवक की 13 दिन बाद मौत हो गई। युवक का उदयपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोतवाली थाने के एएसआई ने बताया कि माविता निवासी अमृतलाल ननोमा ने इस संबंध में रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा रवि ननोमा 14 दिसंबर को स्कूटी से बिछीवाड़ा जा रहा था। इसी दौरान डूंगरपुर शहर के नवाडेरा के पास एक बाइक ने रवि की स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में रवि गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे प्राथमिक इलाज के बाद उदयपुर रेफर किया गया था। रवि का उदयपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां कल देर रात उसकी मौत हो गई। परिजन शव को डूंगरपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी लाए। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

- **13 दिन बाद अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा**

अरावली बचाने के लिए तीन जिलों के हजारों लोगों ने रैली निकाली

अलवर, (निसं)। अरावली के पहाड़ों को बचाने के लिए कांग्रेस ने शनिवार को अलवर में तीन जिलों के हजारों लोगों ने रैली निकाली। कांग्रेस नेता गोविंद डोटासरा, जितेंद्रसिंह व टीकाराम जूली के सामने कार्यकर्ता पुलिस की बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। इससे पहले डोटासरा व जूली कटी घाटी की पहाड़ी पर चढ़े। वहां से अरावली बचाओ अभियान की हुंकार भरी। इस रैली में कुछ युवक सिर मुंडवा कर पहुंचे, जिनके सिर पर लिखा था "अरावली बचाओ"। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली कार्यकर्ताओं के साथ कटी घाटी की पहाड़ी पर चढ़ गए।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बताया कि इस जन जागरण में तीनों जिलों के कार्यकर्ता पहुंचे। सबका अरावली को बचाने पर जोर है। अरावली देश का भविष्य है। अब हमने अरावली को नहीं बचाया तो 50 से 100 साल आने वाली पीढ़ी जवाब नहीं दे सकेंगे।

भर्तृहरि बाबा की जय के साथ नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अरावली बचाओ पैदल मार्च के दौरान कहा कि अरावली मां का सौदा करने वालों को भर्तृहरि बाबा का श्राप लगेगा। जूली ने कहा कि 6 माह पहले प्रधानमंत्री कार्यालय में शिकायत की गई कि खनन माफिया 5 करोड़ की रिश्वत मांग रहे हैं। यही शिकायत सीबीआई, सीआईडी और एसीडी को दी गई, लेकिन 5 माह में जांच तक नहीं की गई। यह अरावली का सीना छलनी करने की साजिश है।

अरावली बचाने के लिए कांग्रेस ने अलवर में रैली निकाली।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव और पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार को घुटनों के बाल आना पड़ेगा। तीन काले कानून जो किसानों के लिए बनाए गए थे उसी तरह अरावली का काला कानून भी जनहित में वापस लेने के लिए कांग्रेस हर संभव लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने कहा कि खनन माफियाओं को पनपाने का काम किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के कार्यकर्ताओं ने अरावली बचाओ रैली में हिस्सा लिया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि अरावली की पहाड़ियां आधे ज्यादा राजस्थान के लिए लाइफ लाइन का काम करती है। यह राजस्थान के पर्यावरणीय संतुलन को संतुलित बने रहने में मदद करती है। पहाड़ की नई परिभाषा को लागू करने से करीब 15 जिले के लोगों के लिए जीवन का संकट उत्पन्न हो जाएगा, इसलिए सरकार और सुप्रीम कोर्ट द्वारा पहाड़ की नई परिभाषा को खारिज किये जाने की मांग की। रैली में पार्टी के जिला सचिव रईसा, पार्टी जिला सचिव मंडल सदस्य जितेंद्र नरूका, सीटू के जिला अध्यक्ष मोहन सिंह राघव, आखिल भारतीय किसान सभा के जिला संयोजक मुख्तार सिंह, भवन निर्माण यूनियन के साथी रतनलाल सैनी एवं ताराचंद, अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की साथी रतन भाई एवं टीना कंवर सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

- **अरावली प्रेमी युवाओं ने सिर मुंडवाकर सिर पर "अरावली बचाओ" लिखवाया**

शिल्पग्राम उत्सव में हरियाणा के लोक नृत्य "धमाल" का दर्शकों ने आनंद लिया

उदयपुर, (निसं)। शिल्पग्राम उत्सव में हरियाणा की मस्ती के प्रतीक 'धमाल' डांस का मुक्ताकाशी मंच पर दर्शकों ने आनंद लिया।

जानकारी के अनुसार हरियाणा के गुड़गांव और आसपास के क्षेत्र के अहीर समुदाय के किसान अच्छी फसल होने की खुशी में यह परंपरागत डांस करते हैं। जाहिर है, इस डांस में जहां हरियाणा का अल्हड़पन मस्ती दिखी वहीं इसने लयबद्धता, खूबसूरत स्टेप्स, हावभाव और धमक ने अपनी अलग ही छाप छोड़ दर्शकों का दिल जीत लिया। मुक्ताकाशी मंच पर भी शनिवार को इस नृत्य में जहां परंपरागत ढोल, ताशा, नगाडा और बीन जैसे वाद्य यंत्रों का प्रयोग करते हुए नर्तकों ने इनकी धुन पर डफ और लाठियों के साथ नृत्य कर खूब वाहवाही लूटी। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के राय बेंसे और नटुआ में एक्रोबेटिक युद्ध कौशल, महाराष्ट्र के लावणी लोक नृत्य में नर्तकियों के श्रृंगार व भावभंगिमाएं, उत्तर प्रदेश के पारंपरिक ढेडिया लोक नृत्यों की तालबद्ध प्रस्तुतियों ने दर्शकों के दिलों के तारों को झंकृत कर दिया। इस शाम की हर प्रस्तुति ने उत्सव की 'लोक के रंग-लोक के संग' थीम को साकार करते हुए मेवाड़ के कलाप्रेमी दर्शकों की खूब दाद पाई। इनमें राजस्थान के कालबेलिया डांस में नर्तकियों के उल्टी घूम के बिना हाथों के सहारे मुंह से नीचे रखा रुमाल और आंख से जमीन पर रखा सिक्का उठाने के कमाल ने तो धमाल ही मचा दी।

शिल्पग्राम उत्सव में मुक्ताकाशी मंच पर कलाकारों ने नृत्य पेश किये।

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया छाऊ डांस में जब डांसर्स ने शास्त्रीय नृत्य शैली में मार्शल आर्ट के खूबसूरत सम्मिश्रण के साथ जब महाभारत और रामायण के प्रसंग जीवंत किए तो कलाप्रेमियों ने मंत्रमुग्ध हो तालियों की गड़गड़ाहट से शिल्पग्राम गूंजा दिया। सिद्धि धमाल का कमाल तो शनिवार को भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोला।

इनके साथ ही उत्तराखंड के मीठी छेड़छाड़ वाले छापेली लोक नृत्य ने दर्शकों को गुदगुदाया और उनकी तालियां बटोरी। वहीं, बिहू डांस भी दर्शकों को खूब भाया। बिहू ने असम की छाप छोड़ते हुए वहां की लोक संस्कृति खूबसूरती से पेश की। जम्मू के पारंपरिक डोगरी लोक नृत्य जगरना के साथ ही राजस्थान के सहरिया आदिवासी संस्कृति के सहरिया स्वांग डांस व मणिपुर की मार्शल आर्ट से लबरेज फोक प्रस्तुति थांग-ता स्टिक ने दर्शकों को खूब रोमांचित किया। वहीं, पंजाब का भांगड़ा पर तो पूरा शिल्पग्राम ही झूम उठा। मुक्ताकाशी मंच के दर्शक अपनी जगह पर खड़े होकर झूमने लगे। संचालन मोहिता दीक्षित और माधुरी शर्मा ने किया।